चौथा पाठ

पतंग

शिक्षण बिंदु

ओ ो ं ख च ड श

ओखली

ओ ख ली

पतंग

प तं ग

चाबी

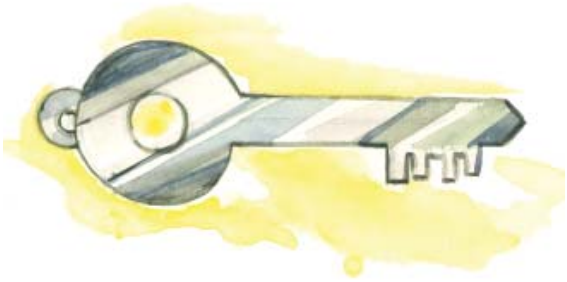

चा बी

खरगोश

ख र गो श

शिक्षण संकेत

- श्यामपट पर **पतंग** लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए विद्यार्थियों से बार-बार बुलवाएँ।
- इसी तरह **ओखली, खरगोश, चाबी, डाकिया, शलगम** के चित्र दिखाएँ। वर्णों की अलग-अलग पहचान करवाते हुए बार-बार बुलवाएँ।

डाकिया **डा कि या**

शलगम **श ल ग म**

2. पहचानो और बोलो

श	ड	ओ	च	ख	
खरगोश	डाकिया	चाबी	ओखली	शलगम	पतंग

3. सुनो और बोलो

अंग	अंदर	काका	खाक	चिमनी
शबनम	शंख	बंदर	चाचा	डाक
खिड़की	शरबत	गंगा	पतंग	आशा
खीर	गलीचा	शलगम	पंपा	चंदन
शीशा	चोर	बगीचा	सरकस	लंका
मंगल	शाखा	मोर	शिकारी	सरगम
शंका	शंकर	काशी	शोर	किनारी

4. नीचे दिए गए वर्णों को लिखने का अभ्यास करो

औ	औ
ख	ख
च	च
ड	ड
श	श

योग्यता विस्तार

- शिक्षण बिंदु वाले सभी वर्णों तथा मात्राओं को श्यामपट पर लिखें और विद्यार्थियों से बारी-बारी उनकी पहचान करवाएँ।
- विद्यार्थियों से **ख च ट ड श ओ** इन वर्णों की सहायता से अन्य शब्द बनवाकर बुलवाएँ। कुछ विद्यार्थियों से इन नए शब्दों को श्यामपट पर लिखवाएँ।
- अलग-अलग विद्यार्थियों के पास अलग-अलग चित्रों के कार्ड होंगे। दूसरे विद्यार्थियों के पास अलग-अलग वर्णों के कार्ड होंगे। चित्र दिखाने पर विद्यार्थी क्रम से खड़े होकर उनके शब्द बनाएँ।
- अध्यापक श्यामपट पर शब्द लिखें और विद्यार्थियों को बारी-बारी बुलाकर उसका चित्र बनवाएँ।
- अध्यापक श्यामपट पर चित्र बनाएँगे। बुलाया गया विद्यार्थी उसके नीचे शब्द लिखेगा।

शिक्षण संकेत

- पहचानो और बोलो के अंतर्गत आए वर्णों को बार-बार बुलवाकर उनकी पहचान करवाएँ। उसके लिए वर्णों के फ्लैश कार्ड का प्रयोग कर सकते हैं। अध्यापक खेल-विधि का भी प्रयोग कर सकते हैं। सभी विद्यार्थियों के पास एक-एक वर्ण का कार्ड होगा और वे क्रम में खड़े होकर शब्द बनाएँगे।
- सुनो और बोलो के अंतर्गत श्यामपट/फ़्लैश कार्ड पर लिखे शब्दों को दिखाएँ। विद्यार्थियों से अलग-अलग और फिर एक साथ बुलवाएँ। इसके बाद कुछ विद्यार्थियों से चुने हुए शब्दों का वाचन भी करवाएँ।
- नीचे दिए गए वर्णों के अंतर्गत आवश्यक वर्णों को विद्यार्थियों से सही बनावट में लिखना सिखाएँ और विद्यार्थियों से अपनी नोट बुक में भी लिखने के लिए कहें।

5. रेखा खींचकर शब्द और चित्र का मिलान करो

टमाटर

शलगम

मोर

चाबी

डाकिया

खरगोश

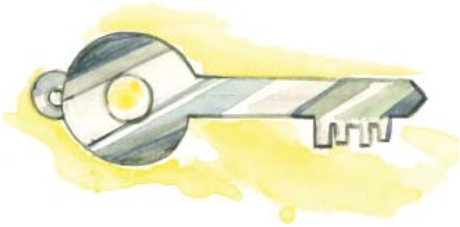

मौखिक पाठ

शिक्षण बिंदु

कमरा बड़ा है। गाड़ी नई है। यह लता का घर है।
यह मोहन की घड़ी है। तोता हरा होता है।

1. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी सुनेंगे

यह बढ़िया मकान है। यह लता का घर है।

लता का घर बड़ा है।

वह नई गाड़ी है। वह गोपाल की गाड़ी है।

गोपाल की गाड़ी नई है।

यह नया कमरा है। यह शीला का कमरा है।

शीला का कमरा नया है।

यह अलमारी बड़ी है। यह पिता जी की अलमारी है।

पिता जी की अलमारी बड़ी है।

2. अध्यापक बोलेंगे और विद्यार्थी दोहराएँगे

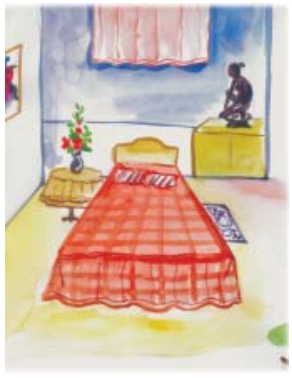

पिता जी की अलमारी बड़ी है। चाची जी की अलमारी नई है।

शीला का कमरा बड़ा है। मोहन का कमरा बड़ा नहीं है।

तोता हरा होता है। कोयल काली होती है।

अनार लाल होता है। पपीता पीला होता है।

आसमान नीला है। बादल काला है।

3. अध्यापक पहला वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी दोहराएँगे

फिर अध्यापक केवल आधा वाक्य बोलें और विद्यार्थी उसे पूरा करके दोहराएँ

अध्यापक	**विद्यार्थी**
लता का घर बड़ा है।	**लता का घर बड़ा है।**
लीला रमेश की ..... है।	..... बहन/लड़की/चाची
साड़ी ..... है।	..... हरी /पीली/लाल
चाची जी का मकान ..... है।	..... दूर/नया/बड़ा
आसमान ..... होता है।	..... नीला/लाल/काला

4. वस्तुओं/चित्रों को दिखाते हुए अध्यापक नमूने के अनुसार प्रश्न पूछें और विद्यार्थी उत्तर दें

नमूना:

अध्यापक: पपीता पीला है?	विद्यार्थी: जी हाँ, पपीता पीला है।
अध्यापक: तोता नीला होता है?	विद्यार्थी: जी नहीं, तोता हरा होता है।
अध्यापक कोयल काली होती है?	**विद्यार्थी** .....
टमाटर नीला होता है?	.....
आसमान हरा है?	.....
मोर नीला होता है?	.....

योग्यता विस्तार

- विद्यार्थी आपस में कक्षा की वस्तुओं की ओर संकेत करते हुए उनके रंग को पहचानकर प्रश्न पूछें और हाँ/नहीं में उत्तर दें।
- विद्यार्थी **बड़ा, नया, नई, हरा, काला** विशेषणों की सहायता से वाक्य बनाएँ।